MARKING SCHEME HLY 2023-24

CLASS X

SUBJECT - HINDI

M.M 80

प्रश्न 1. उत्तर – 1 – ग 2 - क 3 – घ 4 - ग 5 - घ

1×5=5

प्रश्न 2. उत्तर - 1 - ख 2 - ख 3 - ग 4 - ग 5 - ग

1×5=5

प्रश्न 3. उत्तर - 1 – ख 2 - घ 3 - घ 4 - ग 5 - ख

1×4=4

प्रश्न 4. उत्तर - 1 – क 2 - ख 3 - ग 4 - क 5 - ख

1×4=4

प्रश्न 5. उत्तर - 1 - ख 2 - क 3 - ख 4 - ख 5 - घ

1×4=4

प्रश्न 6. उत्तर – 1 - क 2 - क 3 – ग 4 – ख 5 - घ

1×1×4=4

प्रश्न 7. उत्तर - 1 – ग 2 - ग 3 - ग 4 - घ 5 - घ 6 – घ

1×5=5

प्रश्न 8. उत्तर - 1 - ग 2 – ग. 1×2=2

प्रश्न 9. उत्तर - 1 - क 2 – घ 3 – घ 4 - घ 5 – ग

1×5=5

प्रश्न 10.उत्तर- 1 – ख 2 - घ. 1×2=2

प्रश्न 11. उत्तर – 3×2=6

(1) उत्तर - प्राचीन काल में मनोरंजन एवं शक्ति प्रदर्शन के लिए तरह-तरह के मेलों एवं पर्वो का आयोजन किया जाता था। इसी प्रकार का एक आयोजन अंदमान निकोबार के पासा गाँव में होता था जो पशु-पर्व' कहा था। इसमें दृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों को शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती थी। ये पर्व वर्ष में एक बार होते थे। मनोरंजन के लिए इसमें नृत्य-संगीत के भी कार्यक्रम होते थे। बाद में भोजन भी कराया जाता था। एक बार पासा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ततौरा और वामोरो भी आए। वामौरो तताँरा को ढ रही थी। भयवश वह सामने आने से झिझक रही थी। उसकी आँखें

तरल थी, होठ काँप रहे थे। को देखकर वह फूट-फूटकर रोने लगी तो ततौरा भी विल हो गया। वामीरो का रुदन सुनकर उसकी माँ भी वहाँ आ पहुँची। दोनों को साथ देखकर वह आग-बबूला हो उठी। गाँव वालों के सामने उसे यह दृश्य अपमानजनक लगा। उसने ततौरा को अपमानित किया। अंतरा भी क्रोध में भर उठा। अनायास उसका हाथ तलवार की मूठ पर जा टिका। क्रोध में उसने तलवार निकाली और उसे पूरी ताकत से धरती में घोंप दिया और ताकत से खींचने लगा। इसी रूप में वह काफी दूर तक चला गया। धरती फटती चली गई। वामीरो चीखती हुई दौड़ने लगी। इस प्रकार द्वीप दो टुकड़ों में विभक्त हो चुका था। एक तरफ ततौंरा था तो दूसरी तरफ बामौरो ततौंरा की तरफ का हिस्सा (द्वीप) समुद्र में समाता चला गया। वह वामीरो का नाम पुकारता रहा और वामौरो ततौंरा का ततौंरा लहूलुहान हो गया। कुछ देर बाद वह बेहोश होकर अंतिम भूखंड पर जा गिरा। पता नहीं उसका अंत कहाँ और कैसे हुआ ?

(2) उत्तर - 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में गुलाम भारत में 1931 में कलकत्ता (कोलकाता) में मनाए गए स्वतंत्रता दिवस आयोजन के बारे में बताया गया है। आज हम आजाद भारत में आजादी का अमृत महोत्सव (75वाँ स्वतंत्रता दिवस) मना रहे हैं। इसे उत्साहपूर्वक सारे देश में मनाया जा रहा है। देश को प्रति अपने कर्तव्यों की सीख पाठ से लेते हुए हम कह सकते हैं कि हमें देश की अखंडता और एकता के लिए कटिबद्ध रहना चाहिए। हमें अपने देश के विकास के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। क्रांतिकारियों की कुर्बानियों का स्मरण रखकर समाज को संगठित करना चाहिए। सरकार को तानाशाही से लोहा लेना चाहिए।

(3) उत्तर - बड़ा भाई अपने छोटे भाई को खेलकूद जैसी गतिविधियों में भाग लेने से रोकता था। वह कहता था कि इससे उसकी पढ़ाई बाधित होगी. पर छोटा भाई खेलकूद में भाग लेकर भी परीक्षा में अव्वल आता रहा और बड़ा भाई खूब पढ़ाई के बावजूद फेल होता रहा।

छोटा भाई बड़े भाई से नजर बचाकर अपने खेल के शौक को पूरा करता रहा। उसे पता चल गया था कि खेलने-कूदने से पढ़ाई में बाधा नहीं पहुंचती बल्कि तन-मन स्वस्थ और ताजा बना रहता है। छोटे भाई का मन पड़ने में अधिक नहीं लगता था। हॉस्टल से निकलकर वह सीधे खेल के मैदान में पहुँच जाता था। उस पर भाई की उपदेश भरी बातों का कोई प्रभाव न पड़ता था। वह उनको सुनता जरूर था, पर अमल में नहीं लाता था।

प्रश्न 12. उत्तर - 3×2=6

(1) अपने आराध्य श्रीकृष्ण को पाने के लिए मीरा निम्नलिखित काम करना चाहती है-
वह उनकी चाकरी करने को तैयार है।
कृष्ण के लिए बाग लगाने को तैयार है।
वृंदावन की कुंज गलियों में कृष्णा-लीला का गान करने को तैयार है।
वह उनके लिए ऊँचा महल बनाने को तैयार है।
वह उनके दर्शन पाने के लिए कुसुम्बी (कंसरिया) रंग की साड़ी पहनने को तैयार है। वह आधी रात को यमुना नदी के तट पर जाने को तैयार है।
ये सभी काम वह अपने आराध्य के दर्शन के लिए करना चाहती है।

(2) 'मनुष्यता' कविता में कवि ऐसे जीवन को व्यर्थ बताया है जो मानवता का हित न करता हो। स्वार्थी व्यक्ति का जीवन व्यर्थ का बताया गया। स्वार्थी जीवन को पशु वृत्ति का जीवन कहा गया है। जो

व्यक्ति दूसरों का भला नहीं करता उसका जीवन व्यर्थ है। मनुष्य को उदारता और परोपकार का जीवन जीवन जीना चाहिए। केवल अपने हित के बारे में नहीं सोचना चाहिए। ऐसा जीवन व्यर्थ है जिसे मरने के बाद कोई भी याद न करे।

(3) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि को ऐसा इसलिए लगता है क्योंकि तेज वर्षा के समय पर्वतीय क्षेत्र में बादलों का आगमन इस प्रकार होता है मानो आसमान ही टूटकर नीचे धरती पर आ गिरता है। तब अचानक पर्वत आँखों से ओझल हो जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि पर्वत कहीं गायब हो गया हो। कवि इस स्थिति की कल्पना करता है कि लगता है कि मानो पर्वत पंख लगाकर उड़कर कहीं चला गया है।

प्रश्न 13. उत्तर - 3×2=6

(1) हरिहर काका का परिवार सम्पन्न का परिवार था। उनके तीन भाई थे। सभी के पास काफी जमीन थी और अच्छी फसल होती थी। घर में तीन भाइयों की पत्नियाँ भी थीं। ही हरिहर काका की पत्नी का देहांत हो चुका था और उनकी कोई संतान नहीं थी। पूरा परिवार भाई -भतीजों से भरा था परंतु उसके बावजूद हरिहर काका परिवार में एकाकी जीवन बिता रहे थे। हरिहर काका की जमीन पर पहले तो ठाकुरबारी के महत की नजर पड़ी। वह उस जमीन को ठाकुरबारी के नाम लिखवाना चाहता था। मना करने पर महत के गुंडों ने काका के साथ दुर्व्यवहार किया। बाा में हरिहर काका के भाई भी उनकी जमीन हथियाने के लिए षड्यंत्र करने लगे। अंत में वे मारपीट पर भी उतर आए। मुकदमे के बाद हरिहर पुलिस के संरक्षण में रहते थे।

(2) 'हरिहर काका' कहानी ने पारिवारिक स्वार्थपरता और हिंसा- प्रवृति के नकली चेहरे का पर्दाफाश किया है। हरिहर काका के परिवार वाले व भगवान को पूजने वाले महंत ने भी पैसों के लालच में अंधे होकर हरिहर काका के साथ दुर्व्यवहार किया था। महंत के लोगों ने काका का अपहरण कर ज़बरन उनके अंगूठे की छाप भी ले ली। उधर काका के भाई भी ज़मीन हड़पने हेतु उन्हें मारने-पीटने लगे ताकि काका ज़मीन उनके नाम कर दें। इससे दिखता है कि पैसों के लिए लोग पारिवारिक संबंध और अपनी इंसानियत भी भूल जाते हैं।

प्रश्न 14. उत्तर संकेत। 5 अंक

एक अनुच्छेद

विषय प्रस्तुति। 3 अंक

विचारों की स्पष्टता व मौलिकता 1 अंक

भाषा व वर्तनी। 1 अंक

प्रश्न 15. उत्तर संकेत 5 अंक

एक पत्र

प्रारूप । 2 अंक

विषय प्रस्तुति। 2 अंक

भाषा व वर्तनी। 1अंक

प्रश्न 16. उत्तर संकेत। 4 अंक

एक सूचना

प्रारूप 1+1/2 अंक

विषय 1+1/2 अंक

भाषा व वर्तनी। 1 अंक

प्रश्न 17. उत्तर संकेत 3 अंक

एक विज्ञापन

प्रारूप। 1अंक

विषय प्रस्तुति। 1 अंक

भाषा व वर्तनी। 1 अंक

प्रश्न 18. उत्तर संकेत. 5 अंक

ईमेल अथवा कथा

प्रारूप। 2 अंक

विषय प्रस्तुति। 2 अंक

भाषा व वर्तनी। 1 अंक